



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, बौरवार, 22 अगस्त, 1991/31 श्रावण, 1913

हिमाचल प्रदेश सरकार

सामान्य प्रशासन विभाग
“ख” अनुभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 19 मार्च, 1991

संख्या जी० ए० बी० (ए) 4-4/90.—इस विभाग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 17-10-1990 के तथा 29-10-1990 के सन्दर्भ में राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश जिला स्तरीय तथा उप-मण्डल स्तर पर जिला ऊना में अन्त्योदय विकास एवं लोक शिकायत निवारण समिति के निम्न गैर-सदस्यों को मनोनीत करने के सहर्ष आदेश देते हैं, इसका कार्यकाल 2 वर्ष होगा।

जिला स्तरीय समिति के सदस्य:

1. जिले के सम्बन्धित समस्त विधायक।
2. जिले के समस्त पंचायत समितियों के अध्यक्ष।
3. जिले के भारतीय जनता पार्टी के प्रधान और महासचिव।

4. भाजपा के मण्डल/विधान सभा क्षेत्र के प्रधान ।
5. महिला प्रतिनिधि : श्रीमती स्वर्णलता लट्ठ, गांव व डाकखाना धुसाड़ा, तहसील व जिला ऊना ।
6. भूतपूर्व सैनिक प्रतिनिधि : सूबेदार गुरवारा सिंह, गांव व डाकखाना ललैहड़, तहसील व जिला ऊना ।
7. अनुसूचित जाति प्रतिनिधि : श्री बन्ता राम, गांव डनोह, तहसील अम्ब, जिला ऊना ।
8. विधि संघ के प्रतिनिधि : श्री ओ० पी० वर्मा, एडवोकेट, ऊना ।
9. जिले के युवा भाजपा के प्रधान
10. जिले के व्यापारिक मण्डल के प्रधान : श्री विनोद कुमार पुरी, व्यापार मण्डल, ऊना ।

उप-मण्डल ऊना समिति के सदस्य:

1. सम्बन्धित विधायक । (मन्त्री को छोड़ कर) ।
2. अध्यक्ष पंचायत समितियों ।
3. मण्डल/विधान सभा क्षेत्र के भाजपा के प्रधान ।
4. मण्डलीय/विधान सभा क्षेत्र के भाजपा के महासचिव ।
5. महिला प्रतिनिधि : श्रीमती शकुन्तला देवी पत्नी श्री सतपाल, गांव व डाकखाना दुलैहड़, जिला ऊना ।
6. भूतपूर्व सैनिक प्रतिनिधि : श्री कुलभूषण सिंह जसवाल, गांव व डाकखाना सलोह, तहसील व जिला ऊना ।
7. अनुसूचित जाति प्रतिनिधि : श्री अमर नाथ, भूतपूर्व स्पिनिसिपल कमीशनर, बहली, मुहल्ला ऊना ।
8. विधि संघ : श्री सुरेश शर्मा, एडवोकेट, गांव कलेहड़ा, डाकखाना कुं गड़त, जिला ऊना ।
9. युवा वर्ग : श्री राकेश अवस्थी, गांव व डाकखाना बडही, तहसील बंगाणा, जिला ऊना ।
10. व्यापार मण्डल : श्री मतपाल सैनी, भारत टैण्ट हाऊस, ऊना ।

उप-मण्डल अम्ब समिति के सदस्य:

1. सम्बन्धित विधायक (मन्त्री को छोड़ कर) ।
2. अध्यक्ष पंचायत समितियों ।
3. मण्डल/विधान सभा क्षेत्र के भाजपा प्रधान ।
4. मण्डलीय/विधान सभा क्षेत्र के भाजपा के महासचिव ।
5. महिला प्रतिनिधि : श्रीमती शोभारानी, गांव व डाकखाना इन्दौरा, तहसील अम्ब, जिला ऊना ।
6. भूतपूर्व सैनिक प्रतिनिधि : कैप्टन कुलदीप सिंह, गांव व डाकखाना दौलतपुर चौक, तहसील अम्ब, जिला ऊना ।
7. अनुसूचित जाति प्रतिनिधि : श्री प्रकाश दियाड़ा, गांव दिलवां, तहसील अम्ब, जिला ऊना ।
8. विधि संघ : श्री रमेश चन्द, एडवोकेट, अम्ब ।
9. युवा वर्ग : श्री अशोक कुमार, गांव व डाकखाना चिन्तपुरी, तहसील अम्ब, जिला ऊना ।
10. व्यापार मण्डल : श्री अशोक कुमार सुपुत्र श्री कर्म चन्द, गांव व डाकखाना गगरेट, जिला ऊना ।

इन समितियों के गठन के आदेश तुरन्त लागू होंगे ।

आदेश द्वारा,
हस्ताक्षरित/-
मुख्य सचिव ।

पंचायती राज विभाग

कार्यालय आदेश

शिमला-171002, 9 अगस्त, 1991

संख्या पी0 सी0 एच0-एच0 ए0(5) 35/91.—क्योंकि श्री शेर सिंह, प्रधान, ग्राम पंचायत टकसाल, विकास खण्ड धर्मपुर, जिला सोलन को निम्नलिखित आरोपों द्वारा उपायुक्त, सोलन द्वारा दिनांक 5 जुलाई, 1991 को प्रधान पद से निलम्बित किया गया है:—

1. यह कि श्री शेर सिंह ने जोगिन्द्रा सैण्ट्रल सहकारी बैंक, परवाणु से ग्राम पंचायत के प्रस्ताव के रूप में सहमति प्राप्त किए बगैर राशि निकाल कर वित्तीय नियमों 1975 के नियम 4 की उल्लंघना की है।

	रुपए पैसे
8-1-1991	1,400.00
6-2-1991	7,000.00
14-3-1991	600.00
26-3-1991	1,478.00
कुल ..	10,478.00

2. यह कि राशन कार्ड रजिस्टर अनुसार 1-1-1991 से 9-4-1991 तक मु0 10,965/- रुपए की राशि देान एवं कार्ड के मूल्य के रूप में उक्त श्री शेर सिंह, प्रधान द्वारा प्राप्त की परन्तु रोकड़ में केवल 8,000/- रुपए ही दर्ज किए बाकि 2,965/- रुपए का प्रधान द्वारा गवन किया गया;

और क्योंकि वास्तविकता को जानने के लिए नियमित जांच करवाई जानी जनहित में आवश्यक है।

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1968 की धारा 54(2) के अधीन जिला पंचायत अधिकारी, सोलन को जहाँ जांच अधिकारी नियुक्त करने का आदेश देते हैं। वह अपनी जांच रिपोर्ट उपायुक्त, सोलन के माध्यम से शीघ्र प्रस्तुत करेंगे। वहाँ पंचायत निरीक्षक, विकास खण्ड धर्मपुर (सोलन) को प्रस्तुतकर्ता अधिकारी नियुक्त करते हैं जो जांच के दौरान सरकार का पक्ष भी प्रस्तुत करेंगे।

हस्ताक्षरित/-
अवर सचिव।

कार्यालय उपायुक्त, मण्डी, जिला मण्डी

कार्यालय आदेश

मण्डी, 14 अगस्त, 1991

विषय:— हि0 प्र0 ग्राम पंचायत नियमावली, 1971 के नियम 77 के अधीन कारण बताओ नोटिस।

संख्या पी0 सी0 एन0-एन0 एन0 डी0-ए0 (9) 91/74-II-3814-17.—यत प्रबन्धक राजकीय पशु धन प्रक्षेत्र कमान्ड, जिला मण्डी, हि0 प्र0 ने अधोहस्ताक्षरी से निवेदन किया था कि उनके प्रक्षेत्र में पशुओं के फाटक में

बन्द करने तथा पशुओं के मालिक से हरजाना वसूल करने की कोई व्यवस्था नहीं है। इसलिए कमान्द क्षेत्र में पशु फाटक का खोला जाना अत्यन्त आवश्यक है ;

और यह कि प्रबन्धक राजकीय पशुधन प्रक्षेत्र कमान्द, जिला मण्डी के अनुरोध को ध्यान में रखते हुए, प्रधान, ग्राम पंचायत कमान्द, विकास खण्ड मण्डी सदर, जिला मण्डी को जिला पंचायत अधिकारी मण्डी न कार्यालय जापन संख्या पी० सी० एन०-एम० एन० डी०-ए० (9) 91/74-II-158, दिनांक 8-1-91 के अधीन अनुरोध किया था कि ग्राम पंचायत कमान्द में पशु फाटक खोलने के लिए प्रस्तावना प्रेषित करें परन्तु उक्त प्रधान ने उपरोक्त पत्र का कोई उत्तर नहीं दिया ;

और यह कि प्रधान, ग्राम पंचायत कमान्द को जिला पंचायत अधिकारी मण्डी द्वारा जापन संख्या 628, दिनांक 8-2-91, जापन संख्या 1387, दिनांक 20-3-91, जापन संख्या 2250, दिनांक 30-4-91 तथा जापन संख्या 2838, दिनांक 30-5-91 के अन्तर्गत प्रस्तावना भेजने हेतु स्मरण भी करवाया, परन्तु फिर भी उक्त प्रधान से कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ जिससे यह स्पष्ट होता है कि उक्त श्री टेक चन्द, प्रधान, ग्राम पंचायत कमान्द, विकास खण्ड मण्डी सदर अपने कर्तव्यों के निर्वहन में अवचार का दोषी रहा है। इसलिए ऐसे व्यक्ति का प्रधान जैसे सार्वजनिक पद पर बने रहना जनहित में उचित नहीं ;

अतः मैं, एस० के० जस्टा, अतिरिक्त उपायुक्त, मण्डी, जिला मण्डी उन अधिकारों के अन्तर्गत जो मुझे हि० प्र० ग्राम पंचायत नियमावली, 1971 के नियम 77 के अधीन प्राप्त हैं, श्री टेक चन्द, प्रधान, ग्राम पंचायत कमान्द, विकास खण्ड मण्डी सदर को निर्देश देता हूँ कि वह कारण बताएँ कि क्यों न उन्हें अपने कर्तव्यों के निर्वहन में अवचार करने के लिए हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1968 की धारा 54 (1) के अधीन प्रधान पद से निलम्बित किया जाए। उनका उत्तर इस कारण बताओ नोटिस के जारी होने के दिनांक से 30 दिनों के भीतर-भीतर प्राप्त हो जाना चाहिए अन्यथा यह समझा जाएगा कि वह अपने पक्ष में कुछ नहीं कहना चाहता।

एस० के० जस्टा,
अतिरिक्त उपायुक्त,
मण्डी, जिला मण्डी।

कार्यालय उपायुक्त जिला सिरमौर, नाहन

नाहन, 14 अगस्त, 1991

कारण बताओ नोटिस

संख्या पी०एस०-2-मिस-9/72-3824.—क्योंकि जिला पंचायत अधिकारी, जिला सिरमौर, नाहन द्वारा ग्राम पंचायत कौलावाला भूड, विकास खण्ड नाहन का अंकेक्षण 1-4-88 से 31-3-90 तक का किया गया और उक्त अंकेक्षण पत्र को भली प्रकार अध्ययन करने के पश्चात् यह पाया गया कि श्री सोमदत्त, प्रधान, ग्राम पंचायत कौलावाला भूड निम्न वित्तीय अनियमितताओं तथा गबन सम्बन्धी आरोपों में संलिप्त पाए गए हैं :—

1. यह कि श्री सोमदत्त, प्रधान ने दिनांक 17-2-89 को पंचायत निरीक्षक नाहन, विकास खण्ड द्वारा ग्राम पंचायत का निरीक्षण किया परन्तु श्री सोमदत्त, प्रधान ने उक्त निरीक्षण पत्र का एक वर्ष व्यतीत होने पर भी दिनांक 23-4-90 तक समाधान नहीं किया। प्रधान का यह आचरण हि० प्र० पंचायती राज वित्त नियम, 1975 के नियम 30 की स्पष्ट उल्लंघना है और प्रधान कर्तव्य का पालन न करने के लिए दोषी पाए गए हैं।
2. यह कि उक्त प्रधान ने वर्ष 1988-89 तथा 1989-90 में रोकड़बही के आय-व्यय के

इन्द्राजों पर लघु हस्ताक्षर नहीं किए और न ही प्रत्येक मास के अन्त में प्रधान ने मचिव के पास नकद शेष को प्रमाणित किया। प्रधान इस वित्तीय अनियमितता के लिए दोषी पाए गए।

3. यह कि उक्त प्रधान ने दिनांक 12-3-90 को मु० 447.30 पैसे, 25-3-90 को मु० 1537.85 पैसे तथा 31-3-90 को मु० 1189/- रुपये सभा निधि की धन राशियों को अपने पास अनाधिकृत रूप से रख कर-2 सभा निधि का छलहरण/दुरुपयोग करने के दोषी पाए गए।
4. यह कि उक्त प्रधान द्वारा दिनांक 14-12-89 को मु० 1000/- रु० बाबत किराया स्टाल वसूल किया और केश बुक में दिनांक 21-2-90 को इन्द्राज किया गया। इस राशि को अनाधिकृत रूप में अपने पास रख कर राशि का दुरुपयोग करने के दोषी पाए गए।
5. यह कि उक्त प्रधान ने जिला दण्डाधिकारी, जिला सिरमौर के आदेश लिए बिना सर्वश्री कर्मचन्द तथा माम राज को पशु फाटक रक्षक नियुक्त करके प्रधान पद के दुरुपयोग करने के दोषी पाए गए।
6. यह कि उक्त प्रधान ने वर्ष 1988-89 में मु० 10,042 रुपये तथा वर्ष 1989-90 में 4,923 रुपये की राशि बाबत पशु फाटक, गृहकर, राशन कार्ड शुल्क, विवाह शुल्क, मुकद्दमा फीस, जन्म-प्रमाण-पत्र, दान व बैंक में प्राप्त की जो वित्त नियम की स्पष्ट उल्लंघना के लिए दोषी पाए गए।
7. उक्त प्रधान ने मु० 100/- रुपये श्री माम राज, पशु फाटक रक्षक से दिनांक 5-3-90 को रसीद संख्या 11/60 के अनुसार प्राप्त किया और इस राशि का इन्द्राज केश बुक में नहीं किया और राशि दुरुपयोग के दोषी पाए गए।
8. उक्त प्रधान ने वाउचर संख्या 210,276 तथा 200 के अन्तर्गत मु० 220/- रुपये यात्रा भत्ता प्राप्त किया, जबकि उन्हें 154/- रुपये का यात्रा भत्ता मिलना था मु० 66/- रुपये अधिक यात्रा भत्ता प्राप्त करके अपने पद का दुरुपयोग किया तथा वे इस अनियमितता के लिए दोषी पाए गए।
9. उक्त प्रधान ने दिनांक 27-5-89 को मु० 32/- रुपये का यात्रा भत्ता बाबत कौलावाला भूड से कालाभ्राम्ब बिजली का सामान खरीदने हेतु प्राप्त किया, जबकि उस दिन बिजली का सामान खरीद नहीं किया गया। मु० 32/- रुपये का छलहरण द्वारा यात्रा भत्ता प्राप्त करने के लिए दोषी पाए गए।
10. यह कि उक्त प्रधान ने 8 कि० मी० से अधिक दूरी की यात्रा करने के लिए सम्बद्ध पंचायत की पूर्व स्वीकृति प्राप्त किए बिना यात्रा भत्ता लिया और वित्त नियम के उल्लंघन के दोषी पाए गए।
11. यह कि उक्त प्रधान ने अपने यात्रा भत्ता बिल मु० 467/- रुपये बिना कार्यकारी अधिकारी पंचायत समिति के प्रतिहस्ताक्षर प्राप्त करने के लिए दोषी पाए गए।
12. यह कि उक्त प्रधान द्वारा 16,765/- रुपये बैंक/डाकघर से निकाले जोकि निदेशक पंचायती राज, हि० प्र० के निर्देशों का उल्लंघन करने के दोषी पाए गए।
13. यह कि उक्त प्रधान ने लाईसेंस पर बिकने वाली वस्तु बारूद श्री कर्मचन्द, ग्राम कौलावाला-भूड से अनाधिकृत रूप से खरीद करके अपने पद का दुरुपयोग और मु० 112/- रुपये सभा निधि हानि के दोषी पाए गए।

14. यह कि उक्त प्रधान ने दिनांक 19-3-89 को श्री कर्मचन्द पुत्र श्री कृष्ण, ग्राम कौलावाला भूड को मु० 11/- रुपये का बस किराया तथा 15/- रुपये यात्रा भत्ता दिया है, जबकि प्रधान ने स्वयं दिनांक 27-2-89 को इस वारे यात्रा भत्ता लिया है और सभा निधि के अपहरण के दोषी पाए गए ।
15. यह कि उक्त प्रधान ने श्रीमती बिल्लो देवी पत्नी श्री प्रेम सिंह, ग्राम कौलावाला भूड को मु० 50/- रुपये बालवाड़ी के चलाने हेतु अनाधिकृत रूप से आर्थिक सहायता देने के लिए दोषी पाए गए ।
16. यह कि उक्त प्रधान ने श्री रोशन लाल पुत्र श्री मातू राम, ग्राम कौलावाला भूड को उसकी शादी के लिए मु० 200/- रुपये की राशि की आर्थिक सहायता सभा निधि से अनाधिकृत रूप से देने के लिए दोषी पाए गए ।
17. यह कि उक्त प्रधान ने अनाधिकृत रूप से बिना कोटेशन आमन्त्रित किए मु० 400/- रुपये का एक पुराना सीलिंग फैन खरीद कर प्रधान पद के दुरुपयोग के लिए दोषी पाए गए ।
18. यह कि उक्त प्रधान ने श्री सुखदेव सिंह, ग्राम कौलावाला भूड को मु० 50/- रुपये नाहन प्रस्पताल जाने के लिए अनाधिकृत रूप से दिए और प्रधान पद का दुरुपयोग करने के लिए दोषी पाए गए ।
19. यह कि उक्त प्रधान ने श्री दौलत राम पुत्र श्री सैतू राम, ग्राम बलसार को अवैध रूप से मु० 39.50 पैसे पंचायत निधि की राशि अदायगी करने के दोषी पाए गए ।
20. यह कि उक्त प्रधान ने श्रीमती दवारका देवी पत्नी श्री नन्दा राम, ग्राम कौलावाला भूड को एक नया बैल खरीदने के लिए मु० 200/- रुपये की आर्थिक सहायता सभा निधि का अनाधिकृत रूप से देने के दोषी पाए गए ।
21. यह कि उक्त प्रधान ने विकास खण्ड अधिकारी, नाहन से प्राप्त अनदानों को वित्तीय स्वीकृति प्राप्त किए बिना व्यय कर दिया जिसके लिए प्रधान दोषी पाए गए ।
22. यह है, कि उक्त प्रधान सोमदत्त ने वर्ष 1989-90 मु० 42/- रुपये यात्रा भत्ता अनाधिकृत रूप से प्राप्त करके प्रधान पद का दुरुपयोग तथा पंचायत की वित्तीय निधि को हानि पहुंचाने के दोषी पाए गए ।
23. यह है, कि उक्त प्रधान ने श्री भगत राम किराएदार पंचायत घर के एक कमरे को मु० 50/- रुपये प्रति मास के हिसाब से 19-11-85 से बसूल न करके पंचायत को वित्तीय हानि पहुंचाने के लिए दोषी पाए गए ।
24. यह है, कि उक्त प्रधान ने कुहल निर्माण बलसार पर मु० 200/- रुपये की अदायगी मस्ट्रोल सख्या 1/89 में गलत मजदूरी अदायगी करके पंचायत को वित्तीय हानि पहुंचाने के दोषी पाए गए ।
25. यह है, कि उक्त प्रधान ने 2 शौचालय निर्माण में 2 शौचालय सीट खरीद की और मु० 52/- रुपये अधिक व्यय करके पंचायत निधि के दुरुपयोग के दोषी पाए गए ।

इन तथ्यों के दृष्टिगत ऐसा प्रतीत होता है कि श्री सोमदत्त, प्रधान, ग्राम पंचायत कौलावाला भूड, विकास खण्ड नाहन न अपने पद का दुरुपयोग किया और उनका प्रधान पद पर बने रहना जनहित में नहीं है ।

अतः मैं, अजय त्यागी, उपायुक्त, जिला मिरमौर, हि० प्र०, उन शक्तियों के अंतर्गत जो मुझे हि० प्र० ग्राम पंचायत नियमावली, 1971 के नियम 77 में निर्दिष्ट हैं, श्री सोमदेन, प्रधान, ग्राम पंचायत कौलावाला भूड, विकास खण्ड नाहन, जिला मिरमौर, हि० प्र० को आदेश देता हूँ कि क्यों न उन्हें हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1968 की धारा 54(1) के अंतर्गत प्रधान पद से निवृत्त किया जाए। उनका उत्तर 31 अगस्त, 1991 तक इस कार्यालय को प्राप्त हो जाना चाहिए अन्यथा यह समझा जाएगा कि वह अपने पक्ष में कुछ नहीं कहना चाहते।

अजय त्यागी,
उपायुक्त,
जिला मिरमौर, नाहन।

